अग्रसेन विहान

समाचार पत्रिका

नवम्बर 2024-जून 2025

श्री काशी अग्रवाल समाज, वाराणसी द्वारा संचालित

श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज

बुलानाला/परमानन्दपुर, वाराणसी

महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी से सम्बद्ध स्वायत्तशासी महाविद्यालय

अग्रसेन विहान

समाचार पत्रिका

नवम्बर 2024–जून 2025

प्राचार्य

प्रो. मिथिलेश सिंह

संपादक

डॉ॰ सुमन सिंह

सह–संपादक

डॉ॰ प्रिया भारतीय

श्रीमती मेनका सिंह

श्रीमती शोभा प्रजापति

श्री काशी अग्रवाल समाज, वाराणसी द्वारा संचालित

श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज

बुलानाला/परमानन्दपुर, वाराणसी

महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी से सम्बद्ध स्वायत्तशासी महाविद्यालय

श्री काशी अग्रवाल समाज द्वारा संचालित

श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज

बुलानाला/परमानन्दपुर, वाराणसी

महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी से सम्बद्ध स्वायत्तशासी महाविद्यालय

प्रबंधक की कलम से...

अपने मन के उद्गारों को अभिव्यक्त करने का सर्वथा सक्षम एवं सशक्त माध्यम लेखनी है, यही अनवरत प्रयास हमारे महाविद्यालय के शिक्षकों का रहा है। अत्यंत हर्ष का विषय है कि महाविद्यालय की समाचार पत्रिका अग्रसेन विहान का अगला अंक प्रकाशित किया जा रहा है। इस पत्रिका में महाविद्यालय से जुड़े साहित्यिक, प्रशासनिक, सांस्कृतिक, क्रीड़ा आदि गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत कर छात्राओं को अभिप्रेरित करने का एक सुन्दर प्रयास किया गया है।

मेरा पूर्ण विश्वास है कि यह समाचार पत्रिका महाविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों के साथ–साथ छात्राओं की उपलब्धियों को दर्शाने में भी सफल सिद्ध होगी।

इस समाचार पत्रिका के सफल प्रकाशन में अपना सम्पूर्ण सहयोग देने हेतु महाविद्यालय परिवार को मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करती हूँ।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ.....✍

डॉ. मधु अग्रवाल
(प्रबंधक)

श्री काशी अग्रवाल समाज द्वारा संचालित

श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज

बुलानाला/परमानन्दपुर, वाराणसी

महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी से सम्बद्ध स्वायत्तशासी महाविद्यालय

प्राचार्य की कलम से...

श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज नित–प्रतिदिन शिक्षा जगत में अपनी एक अलग पहचान कायम करते हुए छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य हेतु प्रतिबद्ध है। वर्तमान समय में महाविद्यालय के सभी सम्मानित शिक्षकगण अनेकानेक रूप से छात्राओं को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित एव उत्साहित करते रहते हैं। महाविद्यालय के समाचार बुलेटिन अग्रसेन विहान का नवीन अंक प्रकाशित किया जा रहा है। निश्चित रूप से समाचार बुलेटिन अग्रसेन विहान का प्रकाशन हमारी संस्था की शैक्षणिक, सांस्कृतिक, क्रीड़ा आदि गतिविधियों के साथ महाविद्यालय की विशिष्ट उपलब्धियों का भी प्रतिबिंब है। अग्रसेन विहान के नवीनतम संस्करण के लिए मैं अपनी शुभकामनाएं देती हूं। यह पत्रिका हमारे महाविद्यालय की सृजनात्मकता और बौद्धिकता का प्रतीक है।

पत्रिका का यह संस्करण हमारे महाविद्यालय की समस्त शैक्षिक गतिविधियों तथा छात्राओं की उपलब्धियों का एक अद्वितीय संकलन होगा।

मैं हमारे पत्रिका के संपादक और योगदानकर्ताओं को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए बधाई देती हूं। मैं आशा करती हूं कि यह पत्रिका हमारे महाविद्यालय के छात्राओं और शिक्षकों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन सिद्ध होगी।

छात्राओं को नवीन सत्र की शुभकामनाओं के साथ...✍

प्रो. मिथिलेश सिंह

(प्राचार्य)

संपादक की कलम से...

आस्था, अध्यात्म,

जीवन-यथार्थ गंगा की अविरल धारा को नमन......

एक सतत् प्रयत्नशील अध्येता अपने जीवन में शिक्षा, अनुशासन एवं चरित्र इन तीन आदर्शों को स्थापित कर स्वयं के जीवन को सफल ही नहीं बनाता अपितु एक सफल समाज व राष्ट्र का निर्माण करने में सहायक सिद्ध होता है। इन्हीं आदर्शों को कन्या शिक्षा से जोड़ते हुए हमारी बेटियों में इन मूल्यों की स्थापना हेतु सदैव हमारा महाविद्यालय संकल्पित है। मुझे इस बात पर प्रसन्नता एवं गर्व है कि जिन आशाओं और विश्वास के साथ नारी शिक्षा के प्रचार प्रसार हेतु हमारे संस्थान की स्थापना की गई थी वह इस दिशा में बखूबी प्रशंसनीय कार्य करते हुए समाज में अपना शैक्षणिक परचम फहरा रहा है।

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित "अग्रसेन विहान" समाचार पत्रिका न केवल छात्राओं की उपलब्धियों से परिपूर्ण होगी बल्कि यह पत्रिका एक नवीन सोच के साथ छात्राओं के लिए ज्ञान की एक सुप्रकाशित दीपज्योति होगी। महाविद्यालय की प्रबंधक आदरणीय डॉ. मधु अग्रवाल, सह-प्रबंधक डॉ. रूबी साह एवं अपनी परम आदरणीय प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह के प्रति मैं कृतज्ञता व्यक्त करती हूँ कि उन्होंने इस समाचार पत्रिका के सम्पादन का दायित्व मुझे सौंपा।

हमारी छात्राएं सदा नई सोच, नव ज्ञान, नव निर्माण की ओर अग्रसर रहें इसी भाव के साथ...!

डॉ. सुमन सिंह

असिस्टेंट प्रोफेसर

हिन्दी विभाग

दीक्षांत समारोह किसी भी शैक्षणिक संस्था के लिए सबसे बड़ा पर्व

-प्रो. बिहारी लाल शर्मा, कुलपति

महाविद्यालय के परमानंदपुर परिसर परिसर में 20 नवंबर, 2024 को स्वर्ण जयंती वर्ष पर 'दीक्षांत समारोह' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. बिहारी लाल शर्मा माननीय कुलपति संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. पी.एन. सिंह, माननीय निदेशक, आई.यू.सी.टी.ई, बी.एच.यू., वाराणसी, डॉ. ज्ञान प्रकाश वर्मा, क्षेत्रीय अधिकारी, उच्च शिक्षा वाराणसी एवं प्रो. दीनानाथ सिंह सम्मिलित हुए। दीक्षांत समारोह कार्यक्रम का प्रारम्भ शिष्ट यात्रा से हुआ और मंच पर मां सरस्वती तथा महाराज श्री अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ तत्पश्चात छात्राओं द्वारा

मंगलाचरण, सरस्वती वंदना तथा कुलगीत की प्रस्तुति दी गई। प्रबंधतंत्र के अध्यक्ष श्री अरुण कुमार अग्रवाल 'रूद्रा', प्रबंधक डॉ. मधु अग्रवाल एवं प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह द्वारा मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को पुष्पगुच्छ तथा स्मृति चिन्ह देकर उनका स्वागत किया गया तथा प्राचार्य ने महाविद्यालय की प्रगति आख्या का वाचन किया। छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि स्त्री शिक्षा हेतु समर्पित वर्ष 1973 में स्थापित यह महाविद्यालय प्रदेश का प्रथम स्वायत्तशासी महिला महाविद्यालय है जिसने वर्ष 2005 में नैक मूल्यांकन में ए ग्रेड प्राप्त किया। हम सभी के लिए हर्ष का विषय है कि स्वायत्तता प्राप्ति के पश्चात आज प्रथम दीक्षांत समारोह

आयोजित हो रहा है। मैं आशा करती हूं कि आज उपाधि प्राप्त करके हमारी छात्राएं न केवल अपने जीवन में बल्कि समाज व राष्ट्र के विकास में भी अमूल्य योगदान देंगी। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो अशोक कुमार मिश्रा जी द्वारा छात्राओं को दीक्षा दिलाई गई। मुख्य अतिथि द्वारा सत्र 2019–20 से 2022–23 तक सर्वोच्च अंक प्राप्त कुल 173 छात्राओं को पदक प्रदान किया गया जिसमें 70 छात्राओं को स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ। मुख्य अतिथि प्रो. बिहारीलाल शर्मा जी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह किसी भी शैक्षणिक संस्था के लिए सबसे बड़ा पर्व होता है। दीक्षांत से अभिप्राय है, शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात उपाधि प्राप्त करना और जब एक स्त्री दीक्षा प्राप्त करती है तो उसके ऊपर परिवार, समाज व राष्ट्र के उत्थान का दायित्व पुरुषों से अधिक होता है। इसलिए आप सभी को मेरी शुभकामनाएं हैं कि आप सफलता के नित नई ऊंचाइयों को प्राप्त करें। विशिष्ट अतिथि प्रो. पी.एन. सिंह ने छात्राओं को उपाधि प्राप्त करने पर बधाई देते हुए कहा कि आज छात्राओं ने जो उपाधि प्राप्त किया है, उनके जीवन का सैद्धांतिक पक्ष था। उन्होंने शिक्षा के माध्यम से जो ज्ञान और कौशल प्राप्त किया है उसके व्यावहारिक प्रयोग का समय आ गया है। यह आपका उत्तरदायित्व है कि आप अपने श्रेष्ठ कर्म से अपने शैक्षणिक संस्था, परिवार एवं समाज का नाम रौशन करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो. अशोक कुमार मिश्रा जी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि मैं अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज को सफल

दीक्षांत समारोह आयोजित करने हेतु हार्दिक बधाई देता हूं। यह महाविद्यालय विगत 50 वर्षों से अपनी शैक्षणिक उपलब्धियों से महिला सशक्तिकरण के पथ पर मील का पत्थर साबित हो रहा है। आज के दीक्षांत समारोह में दीक्षा प्राप्त की हुई सभी छात्राओं को मैं उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

तत्पश्चात अतिथियों तथा प्राचार्य द्वारा महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका दीपशिखा तथा अग्रसेन विहान का विमोचन किया गया कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के दानदाताओं श्री कृष्ण अग्रवाल, श्री राधा कृष्ण अग्रवाल एवं श्री विवेक अग्रवाल को महाविद्यालय की प्रगति में अमूल्य योगदान देने के लिए सम्मानित किया गया, साथ ही क्रीडा, रेंजर्स तथा एन.सी.सी. की छात्राओं को भी उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया एवं आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को आंगनबाड़ी किट प्रदान किया गया। द्वितीय सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम 'अनुगूंज' का आयोजन किया गया जो प्रख्यात लोक शास्त्रीय गायिका स्वर्गीय शारदा सिन्हा जी को समर्पित था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पद्मश्री श्री राजेश्वर आचार्य जी संगीतज्ञ वाराणसी, विशिष्ट अतिथि श्री सौरभ श्रीवास्तव, कैंट विधायक, पं. देवव्रत मिश्रा, सितार वादक एवं डॉ. निशी गुप्ता, शास्त्रीय गायिका सम्मिलित हुई। संगीतमय वातावरण में शिव स्तुति एवं छात्राओं द्वारा समूह नृत्य, वाद्यवृंद एवं कजरी गीत की प्रस्तुति दी गई तथा 'नारी कल आज और कल' नामक विषय पर नाट्य मंचन भी किया गया।

कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव प्रो.आभा सक्सेना तथा धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय की प्रबंधक डॉ. मधु अग्रवाल द्वारा एवं द्वितीय सत्र में धन्यवाद ज्ञापन सहायक मंत्री डॉ. रूबी शाह द्वारा किया गया। समारोह में विभिन्न संस्थाओं के प्राचार्य, शिक्षक इत्यादि गणमान्य, अग्रवाल समाज के सभापति श्री संतोष कुमार अग्रवाल 'हरेकृष्ण', प्रधानमंत्री श्री संतोष अग्रवाल कर्णघंटा, अर्थमंत्री श्री गौरव अग्रवाल एवं महाविद्यालय के समस्त प्रवक्तागण, कर्मचारी तथा छात्राएं सम्मिलित हुए।

कम्बल वितरण एवं छात्राओं की उपलब्धियाँ

रस्साकसी

अन्तर महाविद्यालयीय रस्साकसी महिला प्रतियोगिता 5 दिसम्बर, 2024 का आयोजन शहिद हीरा सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धानापुर, चंदौली में हुआ। जिसमें श्री अग्रसेन कन्या पी. जी. कॉलेज की छात्रा साधना सिंह, प्रीति पटेल, काजल यादव, प्रतिष्ठा यादव, तनु गुप्ता, ज्योति गौड, श्वेता कुमारी, मोनी साहनी, सानिया सिद्दीकी, शालू अग्रसेन, अंजलि कनौजिया और मानसी मौर्य 12 सदस्य टीम ने प्रतिभाग किया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक के साथ ही वर्ष की विजेता भी बनी। साधना पटेल, सानिया सिद्दीकी और अंजली कनौजिया विश्वविद्यालय की टीम हेतु चयनित हुई।

"Inter collegiat Youth Fest 2024"

सनबीम कॉलेज फॉर वूमेन, भगवानपुर, वाराणसी द्वारा 8 दिसम्बर, 2024 को आयोजित 'विविधता, **"Inter collegiat Youth Fest 2024"** श्री अग्रसेन कन्या पीजी कॉलेज बुलानाला संगीत विभाग की छात्रा ईशा नागर ने 'सोलो इंग्लिश सॉन्ग' प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

एथलेटिक्स महिला प्रतियोगिता

2 और 3 दिसम्बर, 2024 को अन्तर महाविद्यालयीय एथलेटिक्स महिला प्रतियोगिता का आयोजन जे.एन.एम. कॉलेज, वाराणसी में हुआ। जिसमें महाविद्यालय की छात्रा प्रिया भारती, तनु गुप्ता, बबीता यादव, निर्जला और मानसी मौर्य ने प्रतिभाग किया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रिया भारती ने 200 और 400 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में रजत पदक प्राप्त किया और 4x100 के रिले में प्रिया भारती, बबीता यादव, मानसी मौर्य और तनु गुप्ता ने टीम के रूप में रजत पदक प्राप्त किया।

राष्ट्रीय बालिका दिवस

समाजशास्त्र विभाग एवं मिशन शक्ति महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय बालिका दिवस (24 जनवरी 2025) के अवसर पर एक वैचारिक संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें कल मानव की एवं समाज विज्ञान संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर आभा सक्सेना ने कहा कि राष्ट्रीय बालिका दिवस की प्रासंगिकता तब और महत्वपूर्ण हो जाती है जब हम स्व को जानने का प्रयास करें तथा कोई दिवस विशेष मनाने की आवश्यकता तभी पड़ती है जब वहां कोई कमी हो, प्रोफेसर रमा पांडेय ने राष्ट्रीय बालिका दिवस पर अपने विचार व्यक्त किया मिशन शक्ति की समन्वयक डॉ. श्रृंखला ने राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने के उद्देश्य एवं आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला, डॉ. शोभा प्रजापति ने सारगर्भित ढंग से राष्ट्रीय बालिका दिवस की प्रासंगिकता, उद्देश्य एवं महत्व पर अपने विचार रखे, डॉ. साधना यादव ने कविता के माध्यम से अपने विचारों को व्यक्त किया। डॉ. दुर्गा गौतम ने साइबर क्राइम और इंटरनेट के अंतर्गत अपने विचारों को साझा किया और परास्नातक द्वितीय सेमेस्टर की छात्राओं में आकांक्षा मिश्रा, सेजल मिश्रा, महिमा यादव, पूजा यादव, अलका प्रजापति, अनुष्का प्रजापति, प्रतिभा मौर्य आदि छात्राओं ने स्लोगन और कविताओं आदि के द्वारा अपने विचार व्यक्त किये। डॉ. श्वेता सिंह ने दुर्गा सप्तशती की कुछ पंक्तियों के माध्यम से अपने विचारों को व्यक्त किया, प्रोफेसर कुमुद सिंह ने अध्यक्षीय उद्बोधन दिया। संचालन डॉ. सुधा यादव तथा धन्यवाद ज्ञापन की औपचारिकता डॉ. सुनीता सिंह ने पूरी की, इस अवसर पर हिंदी विभाग से पूनम श्रीवास्तव कुलानुशासक डॉ. मृदुला व्यास, डॉ. बंदनी, डॉ. उषा चौधरी तथा बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 21/02/2025

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल,
बिन निज भाषा-ज्ञान के मिटत न हिय को सूल।।

महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में 'मातृभाषा' विषय पर निबंध प्रतियोगिता एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में हिन्दी विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. अर्चना सिंह ने छात्राओं को संबोधित करते हुए मातृभाषा के प्रति सम्मान एवं अधिक से अधिक प्रयोग के लिए प्रेरित किया एवं मातृभाषा के विकास के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम की सराहना की। कार्यक्रम में विभाग की वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. पूनम श्रीवास्तव, डॉ. सुमन सिंह उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. प्रिया भारतीय एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मेनका सिंह ने किया।

समाजशास्त्र विभाग में विश्व सामाजिक न्याय दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें अध्यक्षीय उद्‌बोधन प्रोफेसर आभा सक्सेना संकाय अध्यक्ष समाज विज्ञान, कला एवं मानविकी संकाय ने किया, विषय स्थापना प्रोफेसर कुमुद सिंह तथा अन्य वक्ताओं में डॉ. बृजेश पांडेय एवं डॉ. विनीता पांडेय रहे। प्रोफेसर रमा पांडेय, डॉ. श्वेता सिंह एवं डॉ. उषा चौधरी ने छात्राओं को आशीर्वचन दिया। संचालन डॉ. दुर्गा गौतम एवं धन्यवाद ज्ञापन की औपचारिकता श्रीमती शोभा प्रजापति ने पूर्ण की। इस अवसर पर स्नातक, परास्नातक की अनेक छात्राओं ने अपने विचारों को रखा तथा कार्यक्रम में सहभागिता की।

दो दिवसीय महिला कबड्डी

दिनांक 21 एवं 22 मार्च, 2025 को दो दिवसीय महिला कबड्डी एवं मैडम ब्लावात्स्की महिला वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन वसंत कन्या महाविद्यालय, कमच्छा, वाराणसी में हुआ। जिसमें श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज की दोनों टीमों ने प्रतिभाग किया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दोनों ही टीमों ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं के उत्साहवर्धन के लिए सहायक आचार्य दिव्या पाल एवं कोच श्रद्धा वर्मा उपस्थित रहीं।

अजन्मे बच्चों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस

समाजशास्त्र विभाग के शैक्षणिक कैलेंडर में सूचीबद्ध अजन्मे में बच्चों का अंतरराष्ट्रीय दिवस पर छात्राओं के साथ 25 मार्च, 2025 को एक परिचर्चा आयोजित की गई जिसमें शिवांगी सिंह, आकांक्षा मिश्रा, संजना, प्रतिभा मौर्य सौम्या सोनकर आदि छात्राओं ने अपने विचार व्यक्त किए, अध्यक्षीय उद्‌बोधन में जहां समाज, कला एवं मानविकी संकाय की संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर आभा सक्सैना जी ने भारतीय सामाजिक संस्थाओं पर दृष्टिपात करते हुए अजन्मे बच्चों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस को भारतीय परिप्रेक्ष्य में स्पष्ट किया तथा उपरोक्त समस्या को कैसे दूर किया जाए इस पर विस्तार से समाजशास्त्रीय उद्‌बोधन दिया, विभाग के डॉ. बृजेश पांडेय जी ने यह दिवस मनाने के उद्देश्य पर विस्तृत चर्चा की तथा उसके सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक कारकों को स्पष्ट किया। परिचर्चा सफल और सराहनीय रही। संचालन एवं धन्यवाद कुमुद सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. सुनीता सिंह, डॉ. दुर्गा गौतम, डॉ. उषा चौधरी के साथ ही बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

व्याख्यान 25 मार्च, 25

रचनात्मक कौशल की गांधीवादी आयाम के अंतर्गत युवा श्रम पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया मुख्य वक्ता संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर आभा सक्सेना ने श्रमदान के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला तथा छात्रों का आह्वान किया कि उनको श्रमदान के महत्व को समझते हुए आगे आने का प्रयास करना चाहिए। वही कुमुद सिंह ने महात्मा गांधी श्रमदान के विचारों की चर्चा करते हुए कहा कि बिना श्रम किए अन्न ग्रहण करने का अधिकार किसी व्यक्ति को नहीं है तथा श्रम करना हर एक व्यक्ति का कर्तव्य है। युवा अपना योगदान समाज के विकास के लिए, पर्यावरण सुरक्षा, प्रदूषण रोकने, शिक्षा के प्रसार तथा पौधरोपण आदि के साथ ही विभिन्न सामाजिक समस्याओं को दूर करने के लिए कर सकते हैं। इस अवसर पर डॉ. दुर्गा गौतम, डॉ. सुनीता सिंह, डॉ. बृजेश पांडेय, डॉ. उषा चौधरी के साथ ही अनेक छात्राएं उपस्थित रहीं, कार्यक्रम का आयोजन डॉ. दुर्गा गौतम ने किया।

स्त्री शिक्षा सुरक्षा एवं मानसिक स्वास्थ्य

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च, 2025) के उपलक्ष्य में महाविद्यालय के बुलानाला परिसर के अपराजिता सभागार में 'स्त्री शिक्षा, सुरक्षा एवं मानसिक स्वास्थ्य' विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर तनिष्क ज्वेलर की तरफ से महाविद्यालय की सभी छात्राओं एवं प्रवक्ता गण में केक एवं गुलाल वितरित कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रबंधक डॉ. मधु अग्रवाल ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आत्मविश्वास एवं आत्मनिर्भर होना जीवन का पहला मंत्र होना चाहिए। महा विद्यालय की सहायक मंत्री डॉ. रूबी साह ने अपने वक्तव्य में कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य ये दो चीजें जीवन को एक नई दिशा प्रदान करती है अतः प्रत्येक महिला को शिक्षित और स्वस्थ रहने का अधिकार है।

महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोव मिथिलेश सिंह ने कहा कि कल आज और कल हम सशक्त थीं सशक्त हैं और सशक्त रहेंगी क्योंकि नारी स्वयं में सृजन है, धरा सा धैर्य उसमें है इसी धैर्य से वह नव जीवन प्रदान करती है। इस अवसर पर प्रो आकाश ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज स्त्री पृथ्वी से आकाश तक अपना परचम लहरा रही है, घर और बाहर के दायित्वों का भली भांति निर्वहन कर रही। नारी शक्ति है सृजन है। कार्यक्रम का संचालन महिला अध्ययन केंद्र की सह समन्वयक डॉ. दुर्गा गौतम ने तथा डॉ. सुमन सिंह धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि स्त्री को स्त्री रहकर एक स्त्री की व्यथा को समझने की आवश्यकता है, एक स्त्री ही स्त्री को सशक्त करे यही समय की मांग है।

इस अवसर पर महिला अध्ययन केंद्र की सह समन्वयक डॉ. सुनीता सिंह, प्रो अर्चना सिंह, चीफ प्रॉक्टर डॉ. मृदुला व्यास, डॉ. सरला सिंह, महाविद्यालय के शिक्षक संघ की महामंत्री डॉ. नंदिनी पटेल, दिव्या पाल, महाविद्यालय के शिक्षक संघ की अध्यक्ष डॉ. अपर्णा शुक्ला, डॉ. अंजना सिंह, डॉ. मनीषा श्रीवास्तव, डॉ. शिवानी सहित समस्त शिक्षक गण एवं छात्राएं उपस्थित रहीं। इस अवसर पर छात्राओं ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के सम्मानित कर्मचारीगण में महाविद्यालय की उमा जी एवं फरजान जी तथा आरती जी को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया।

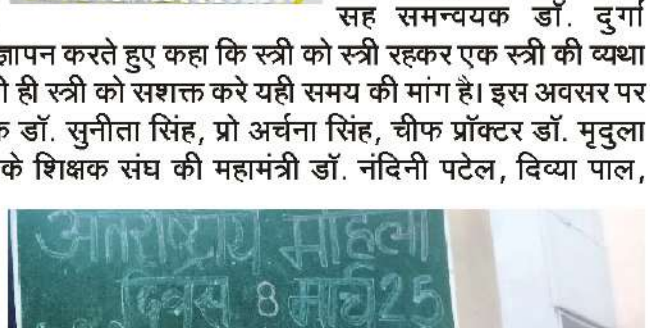

एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

महाविद्यालय के परमानंदपुर परिसर में समाजशास्त्र विभाग द्वारा 11 अप्रैल, 2025 को समाज विज्ञानों में शोध पद्धति विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ के समाजशास्त्र की विभागाध्यक्ष प्रो. जया श्रीवास्तव ने विषय के चुनाव से लेकर प्रतिवेदन लेखन तक की संपूर्ण शोध प्रक्रिया पर अपना सारगर्भित व्याख्यान दिया। अपने व्याख्यान में प्रो. जया ने कहा कि शोध एक प्रक्रिया है जो कई चरणों से होकर गुजरती है जिसमें विषय या समस्या का सदैव विशिष्ट एवं किसी परिपेक्ष्य के संदर्भ में परिभाषित होना आवश्यक है। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो मिथलेश सिंह ने अतिथि को पुष्पगुच्छ, अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत एवं सम्मान किया। अपने स्वागत उद्‌बोधन में प्रोफेसर मिथिलेश सिंह ने कहा कि शोध हेतु जिज्ञासा का होना आवश्यक है जिज्ञासा से ही प्रश्न का जन्म होता है जिसका उत्तर प्राप्त करने के लिए शोध करते हैं। साथ ही शोध की व्यवहारिक उपयोगिता होनी भी आवश्यक है। इस अवसर पर प्राचार्य ने 'शोध अंतराल' पर अपनी स्वरचित कविता का वाचन भी किया। विषय स्थापना करते हुए समाजशास्त्र विभाग अध्यक्ष प्रो कुमुद सिंह ने कहा कि समाज विज्ञानों में शोध की क्षेत्र कार्य पद्धति पश्चिमी विज्ञान की देन है जबकि भारतीय ज्ञान परंपरा में विद्याशास्त्रिय शोध पद्धति की बात की जाती है। अध्यक्षीय उद्‌बोधन समाज विज्ञान संकाय अध्यक्ष प्रो आभा सक्सेना ने दिया अपने उद्‌बोधन में प्रो. सक्सेना ने यह कहा कि सामाजिक विज्ञानों में शोध विषय की प्रकृति के अनुसार होना चाहिए जिसमें वर्तमान में सामाजिक विज्ञानों में 'विषयनिष्ठता' को बढ़ावा देने की बात की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बृजेश पांडे एवं धन्यवाद ज्ञापन आईक्यूएसी की सहसमन्वयक डॉ. आकृति मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में समाजशास्त्र विभाग की प्रो. रमा पांडे, शोभा प्रजापति, डॉ. सुनीता सिंह, डॉ. श्रृंखला, डॉ. बंदनी, डॉ. दुर्गा गौतम, डॉ. श्वेता सिंह, डॉ. विनीता पांडे, डॉ. मीना अग्रवाल हिंदी विभाग की प्रवक्ता डॉ. सुधा यादव, डॉ. सुमन सिंह, मेनका सिंह, मनोविज्ञान विभाग की डॉ. शशि बाला, डॉ. आराधना, गृह विज्ञान विभाग की डॉ. विभा सिंह एवं बड़ी संख्या में स्नातक एवं स्नातकोत्तर की छात्राएं उपस्थित रही। छात्राओं ने मुख्य वक्ता से शोध से संबंधित प्रश्न किये जिसका समुचित समाधान किया गया।

पुरस्कार

28 अप्रैल 2025, महाविद्यालय के सम्मानित अध्यक्ष श्री दीपक अग्रवाल जी के सौजन्य से रोटरी क्लब ने महाविद्यालय की अंजलि पटेल और डॉली (बी.ए. प्रथम वर्ष) को साइकिल प्रदान किया गया। माननीय अध्यक्ष जी का यह कार्य अति प्रशंसनीय रहा।

प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग की छात्राओं ने किया शैक्षणिक भ्रमण

प्राचीन भारतीय इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग की प्राध्यापकों तथा छात्राओं द्वारा दिनांक 29 मार्च 2025 को काशी हिंदू विश्वविद्यालय परिसर में अवस्थित भारत कला भवन तथा काशी विश्वनाथ मंदिर का शैक्षणिक भ्रमण किया गया। छात्राओं ने भारत कला भवन में प्राचीन कालीन मूर्तियों आभूषणों, मुद्राओं एवं पेंटिंग इत्यादि का अध्ययन किया। इसके साथ ही काशी विश्वनाथ मंदिर में मंदिर वास्तुकला के विभिन्न अंगों तथा शैली की भी जानकारी प्राप्त की। उक्त भ्रमण में डॉ.नंदिनी पटेल, डॉ. अंजना सिंह, डॉ. मनीषा सिन्हा और डॉ. कंचनमाला यादव छात्राओं के साथ उपस्थित रहीं।

'हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान'

16 अप्रैल, 2025 को 'हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान' टैगलाइन के अंतर्गत अंबेडकर अध्ययन केंद्र एवं समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें अनेक छात्राओं ने भाग लिया तथा छात्राओं को प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया, इस अवसर पर अंबेडकर अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर कुमुद सिंह, सह समन्वयक डॉ. सुधा यादव के साथ ही समाजशास्त्र विभाग से डॉ. श्रृंखला, डॉ. बंदनी, डॉ. दुर्गा गौतम, डॉ. विनीता पांडे, डॉ. मीना अग्रवाल तथा डॉ. उषा चौधरी उपस्थित रहीं, कार्यक्रम का संयोजन डॉ. विनीता पांडेय ने किया। 'हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान' टैगलाइन के अंतर्गत 17 अप्रैल, 2025 को भी एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें शिल्पी, रक्षा, शालिनी, क्षमा एवं शमा ने अंबेडकर जी से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दिए, इस अवसर पर अंबेडकर अध्ययन केंद्र से प्रोफेसर कुमुद सिंह, डॉ. सुधा यादव, समाजशास्त्र विभाग से डॉ. श्वेता सिंह, डॉ. बंदनी, डॉ. उषा चौधरी, डॉ. मीना अग्रवाल तथा बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं, संयोजन डॉ. श्वेता सिंह ने किया।

17 अप्रैल, 2025 को 'हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान' टैगलाइन के अंतर्गत महाविद्यालय के अंबेडकर अध्ययन केंद्र एवं हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें शिल्पी, रक्षा, शालिनी, क्षमा एवं शमा ने अंबेडकर जी से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दिए, इस अवसर पर अंबेडकर अध्ययन केंद्र से प्रोफेसर कुमुद सिंह, डॉ. सुधा यादव, समाजशास्त्र विभाग से डॉ. श्वेता सिंह, डॉ. बंदनी, डॉ. उषा चौधरी, डॉ. मीना अग्रवाल तथा बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं, कार्यक्रम का संयोजन डॉ. श्वेता सिंह ने किया।

महावीर जयंती

महाविद्यालय में 10 अप्रैल को प्राचीन भारतीय इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा महावीर जयंती के अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ करते हुए डॉ. नंदिनी पटेल ने कहा कि जैन धर्म भारत का सर्वाधिक प्राचीन धर्म है और इसके संस्थापक ऋषभनाथ थे तथा महावीर स्वामी इसके 23वें तीर्थंकर थे। डॉ. मनीषा सिन्हा ने महावीर स्वामी द्वारा दिए गए उपदेशों तथा सिद्धांतों की चर्चा की। डॉ. कंचनमाला यादव ने महावीर स्वामी के उपदेश वर्तमान अवस्थित में कितने प्रासंगिक हैं? इस पर प्रकाश डाला।

रेजोनेंस 2025 का आयोजन

महाविद्यालय के परमानंदपुर परिसर में 27 मार्च को गृह विज्ञान विभाग द्वारा 'रेजोनेंस 2025' का आयोजन किया गया जिसका मुख्य विषय "समर्थ : **Skill for Growth**" रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं महाराज अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। गृह विज्ञान विभाग द्वारा मुख्य अतिथि डॉ. अंशु शुक्ला, वी.के.एम को पुष्पगुच्छ व अंगवस्त्र प्रदान कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर डॉ. अंशु शुक्ला ने अपने वक्तव्य में कहा कि वर्तमान में कौशल की आवश्यकता जीवन के हर क्षेत्र में है, कौशल आप में है केवल आप अपनी इच्छाशक्ति और बाजार की समझ से एक सफल उद्यमी बन सकते हैं। प्रो. अनीता सिंह ने कहा कि गृह विज्ञान छात्राओं को सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक ज्ञान के साथ–साथ अपने दायित्वों के दक्षता पूर्ण निर्वहन के लिए कौशल प्रदान करता है।

कार्यक्रम में गृह विज्ञान विभाग की पांचों शाखाओं की छात्राओं द्वारा कौशल विकास से संबंधित प्रतियोगिता व सत्रीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया साथ ही छात्राओं ने गोलगप्पे, मोमोज , इडली, भेलपुरी व लूडो गेम के स्टाल लगाए। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार– जाहन्वी, प्रिया मौर्या, द्वितीय पुरस्कार– शिवानी पटेल, यशी, जाहन्वी, तृतीय पुरस्कार– आकांक्षा कुमारी, खुशी गुप्ता, प्रिया पांडे एवं सांत्वना पुरस्कार प्राची सिंह आदिति मौर्या ने प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में डॉ. अंशु शुक्ला, डॉ. अपर्णा शुक्ला, डॉ. सुमन सिंह रहीं। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. अर्चना सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. सुमन मिश्रा ने किया। इस अवसर पर प्रबंध समिति की सहायक मंत्री डॉ. रूबी साह ने कार्यक्रम हेतु शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कार्यक्रम में डॉ. मृदुला व्यास, डॉ. आकृति मिश्रा, श्रीमती दिव्या पाल, डॉ. अंजलि त्यागी, डॉ. सीमा अस्थाना, डॉ. भावना शर्मा, डॉ. नीलू गर्ग, डॉ. पूनम श्रीवास्तव, डॉ. प्रतिभा तिवारी, डॉ. सुमन, डॉ. रुचि त्रिपाठी, डॉ. विभा सिंह, डॉ. उषा बालचंदानी, डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, प्रयोगशाला सहायक आराधना सिन्हा, माधुरी यादव एवं छात्राएं उपस्थित रही।

विश्व परिवार दिवस

15 मई, 2025 को विश्व परिवार दिवस के अवसर पर समाजशास्त्र विभाग एवं आइक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में बदलते सामाजिक परिदृश्य में परिवार की चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसमें संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर आभा सक्सेना ने कहा कि परिवार के समक्ष चुनौतियां अनेक हैं लेकिन संभावनाएं भी बहुत हैं और हम अपनी पारंपरिक मूल्य तथा संस्कृति से जुड़े रहकर परिवार की निरंतरता को बनाए रख सकते हैं, विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर कुमुद सिंह ने कहा कि परिवार समाज की एक महत्वपूर्ण इकाई है जिसमें वर्तमान दौर में अनेक परिवर्तन हो रहे हैं तथा समय के साथ चलते हुए हमें परिवार की प्रासंगिकता को सदैव बनाए रखना होगा, संचालन डॉ. विनीत पांडेय तथा धन्यवाद ज्ञापन आइक्यूएसी सदस्य डॉ. सोनम चौधरी ने किया, इस अवसर पर समाजशास्त्र विभाग के समस्त प्राध्यापक गण तथा छात्राएं उपस्थित थी।

ऑपेरशन सिन्दूर - तिरंगा यात्रा

24 मई 2025, शासनादेशित एवं काशी विद्यापीठ में आयोजित तिरंगा यात्रा में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रबंधक डॉ. मधु अग्रवाल एवं सह–प्रबंधक डॉ. रूबी साह के साथ–साथ महाविद्यालय की रेंजर्स, एन.सी.सी. की छात्रा एवं महिला अध्ययन केन्द्र से जुड़ी छात्रा तथा डॉ. नन्दिनी पटेल, डॉ. ऊषा बालचंदानी, डॉ. सुमन सिंह, डॉ. सुनीता, डॉ. दुर्गा गौतम, श्रीमती मेनका सिंह इस यात्रा में सम्मिलित होकर भारत–माता के वीर सपूतों को नमन श्रृद्धांजलि अर्पित किया।

विश्व पर्यावरण दिवस

5 जून 2025 विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु शुरू की गई 'एक–एक पेड़ मां के नाम' योजना की निरंतरता में श्री अग्रसेन कन्या पीजी कॉलेज के परमानंदपुर परिसर में समाजशास्त्र विभाग द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह द्वारा तुलसी और गुड़हल के पौधारोपण द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो. कुमुद सिंह विभागअध्यक्ष समाजशास्त्र के साथ विभाग की प्रवक्ता प्रो. रमा पांडे, शोभा प्रजापति, डॉ. सुनीता सिंह, डॉ. बंदनी, डॉ. श्वेता सिंह, डॉ. बृजेश पांडे, विनीता पांडे, डॉ. उषा चौधरी ने भी पौधारोपण किया। इस अवसर पर प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रकृति व पर्यावरण के संरक्षण हेतु पौधारोपण के साथ देखभाल भी सुनिश्चित हो। इस अवसर पर महाविद्यालय की शिक्षक संघ की अध्यक्ष डॉ. अपर्णा शुक्ला और महाविद्यालय के एनसीसी प्रभारी डॉ. उषा बालचंदानी के साथ महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रही।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

21 जून 2025, महाविद्यालय के परमानन्दपुर परिसर में योग दिवस के अवसर पर सभी शिक्षकगण ने योग कर स्वस्थ जीवनशैली की ओर छात्राओं को प्रेरित किया। योग से मनुष्य का तन और मन दोनों ही स्वस्थ रहता है और अग्रसर होता है। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो.आभा सक्सेना, प्रो.कुमुद सिंह, प्रो.दुष्यन्त सिंह, डॉ.सरला सिंह, डॉ.नन्दिनी पटेल, डॉ.सोनम चौधरी, मेनका सिंह इत्यादि उपस्थित रहीं।

विश्व विरासत दिवस

18 अप्रैल, 2025 को महाविद्यालय में विश्व विरासत दिवस की पूर्व संध्या पर हेरीटेज क्लब तथा प्राचीन भारतीय इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक गोष्ठी क आयोजन किया गया। कार्यक्रम की विषय स्थापना करते हुए डॉ. मनीषा मनीष सिन्हा ने कहा कि विश्व विरासतों के संरक्षण के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ मॉन्यूमेंट्स एंड साइट्स द्वारा वर्ष 1982 में विश्व विरासत दिवस प्रस्तावित किया गया था जिसे वर्ष 1983 में यूनेस्को द्वारा स्वीकार कर लिया गया। उन्होंने इसके साथ ही विश्व विरासत दिवस इस वर्ष की थीम आपदा तथा संघर्ष प्रतिरोधी विरासत के विषय में भी छात्राओं को जनकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचीन भारतीय इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दुष्यंत सिंह ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि विरासत दो प्रकार की होती है – मूर्त तथा अमूर्त विरासत। मूर्त विरासत के अन्तर्गत प्राचीन स्मारक तथा प्राकृतिक स्थल समावेशित है वहीं अमूर्त विरासत के अन्तर्गत वे सभी ज्ञान, परम्परा प्रथाएं तथा कौशल सन्निहित है जो किसी संस्कृति का अभिज्ञ अंग होते है। इन सभी विरासतों का संरक्षण हम भारतीयों का कर्तव्य है। हेरिटेज क्लब की समन्वयक डॉ. सरला सिंह ने विश्व विरासत दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सांस्कृतिक तथा प्राकृतिक विरासतों जैसे सारनाथ, खजुराहो, अजंता एलोरा, ताजमहल, काजीरंगा तथा मानस अभयारण्य इत्यादि के संरक्षण के प्रति जनमानस में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से ही प्रत्येक वर्ष 18 अप्रैल को यह दिवस मनाया जाता है और इन धरोहरों के संरक्षण का निर्देश हमारे संविधान के नीति निर्देशक तत्व के अंतर्गत अनुच्छेद 48 ए तथा 49 में भी दिया गया है । अतः इन धरोहरों का संरक्षण करना हम सभी का सामूहिक उत्तरदायित्व है। प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग की प्रवक्ता डॉ. अंजना सिंह ने कहा कि विश्व विरासत स्थलों के दृष्टिकोण से देखे तो भारत एक समृद्ध देश है। यही कारण है कि यूनेस्को द्वारा भारत में 40 से भी अधिक स्थलों को विश्व विरासत स्थल के रूप में संरक्षित किया गया है।

प्राचीन इतिहास विभाग की प्रवक्ता डॉ. कंचनमाला यादव ने अमूर्त सांस्कृतिक विरासत पर प्रकाश डालते हुए कहां कि यूनेस्को द्वारा जारी की गई अमूर्त संस्कृत विरासत की सूची उन परंपराओं, प्रथाओं, ज्ञान और कौशलों का संकलन है जो किसी समुदाय या समूह की संस्कृति के महत्वपूर्ण अंग के रूप में सदियों से अविरल प्रवाहित हो रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में डॉ. नंदिनी पटेल ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी के लिए इन विरासतों के महत्ता को समझना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि विरासत अतीत व वर्तमान के मध्य की वो श्रृंखला है जिसके आधार पर हम भविष्य का निर्माण करते हैं। कार्यक्रम में अनेक प्रवक्ता गढ़ तथा छात्राएं उपस्थित रही।

संगीत विभाग कार्यक्रम

महाविद्यालय में 3 फरवरी को बसंत पंचमी के अवसर पर संगीत विभाग की छात्राओं ने बसंत गीत एवं सरस्वती वंदना की प्रस्तुति की।

दिनांक 18 फरवरी को संगीत विभाग द्वारा एक व्याख्या का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. सीमा वर्मा विभागाध्यक्ष संगीत विभाग वसंत कन्या महाविद्यालय ने संगीत में रस एवं भाव की भूमिका विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

दिनांक 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय संगीत दिवस के अवसर पर एक व्याख्यान का आयोजन ऑनलाइन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अंजली शर्मा सितार विभाग महिला महाविद्यालय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने संगीत एवं योग का अंत: सम्बन्ध विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

दिनांक 17 फरवरी को एक व्याख्यान का आयोजन किया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ.राम शंकर गायन विभाग मंच कला संकाय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय उपस्थित रहे।

दिनांक 10 मार्च, 2025 को संगीत विभाग द्वारा फाल्गुन उत्सव के अन्तर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

GPS Map Camera
Varanasi, Uttar Pradesh, India
Sh-10/36, Holapur, Chhataripur, Varanasi, Uttar Pradesh 221003, India
Lat 25.370143° Long 82.958829°
17/04/25 12:05 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Varanasi, Uttar Pradesh, India
Agrasen Kanya Pg College Building, Bulanala Maidagin Road, Bulanala, Varanasi, Uttar Pradesh 221001, India
Lat 25.31786° Long 83.012582°
26/11/24 12:04 PM GMT +05:30
Google

राष्ट्रीय बालिका दिवस
GPS Map Camera
Varanasi, Uttar Pradesh, India
9xc5+596, Holapur, Shivpur, Varanasi, Parmanandpur, Uttar Pradesh 221003, India
Lat 25.3702° Long 82.958663°
24/01/25 12:17 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Varanasi, Uttar Pradesh, India
Sh-10/759, Holapur, Chhataripur, Varanasi, Parmanandpur, Uttar Pradesh 221003, India
Lat 25.370212° Long 82.958743°
21/02/25 01:32 PM GMT +05:30

विश्व सामाजिक न्याय दिवस एवं
अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस
GPS Map Camera
Varanasi, Uttar Pradesh, India
Sh-10/36, Holapur, Chhataripur, Varanasi, Uttar Pradesh 221003, India
Lat 25.370191° Long 82.958783°
21/02/25 11:54 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Varanasi, Uttar Pradesh, India
9x95+p8r, Parmanandpur Rd, Holapur, Chhataripur, Varanasi, Parmanandpur, Uttar Pradesh 221003, India
Lat 25.36961° Long 82.958514°
13/12/24 01:42 PM GMT +05:30
Google

काशी
सांसद ज्ञान प्रतियोगिता-2024
6 जनवरी 2025
SBI
GPS Map Camera
Varanasi, Uttar Pradesh, India
9xc5+596, Holapur, Shivpur, Varanasi, Parmanandpur, Uttar Pradesh 221003, India
Lat 25.370191° Long 82.958692°
24/01/25 11:37 AM GMT +05:30
Google
गृहविज्ञान विभाग
Varanasi, Uttar Prade
9xc6+c3x, Near Plice Station, Holap
Varanasi, Uttar Pradesh 221003, Ind
Lat 25.37011° Long 82.959729°
27/03/2025 02:09 PM GMT +05:30
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस
GPS Map Camera
Varanasi, Uttar Pradesh, India
GPS Map Camera
Varanasi, Uttar Pradesh, India
Sh-10/620, Holapur, Chhataripur, Varanasi, Parmanandpur, Uttar Pradesh 221003, India
Lat 25.370251° Long 82.958377°
16/04/25 12:05 PM GMT +05:30
Google

श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज में गृह विज्ञान विभाग द्वारा रेजोनेंस 2025 का आयोजन

पुर्वांचल राज्य ब्यूरो वाराणसी । श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज, वाराणसी के परमानंदपुर परिसर में दिनांक 27.03. 2025 को गृह विज्ञान विभाग द्वारा "रेजोनेंस 2025" का आयोजन किया गया जिसका मुख्य विषय "समर्थ : Skill for Growth" रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं महाराज अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। गृह विज्ञान विभाग द्वारा मुख्य अतिथि डॉ अंशु शुक्ला, बी.के.एम को पुष्पगुच्छ व अंगवस्त्र प्रदान कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर डॉ अंशु शुक्ला ने अपने वक्तव्य में कहा कि वर्तमान में कौशल की आवश्यकता जीवन के हर क्षेत्र में है, कौशल आप में है केवल आप अपनी इच्छाशक्ति और बाजार की समझ से एक सफल उद्यमी बन सकते हैं प्रो अनीता सिंह ने कहा कि गृह विज्ञान छात्राओं को सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक ज्ञान के साथ-साथ अपने दायित्वों के दक्षता पूर्ण निर्वहन के लिए कौशल प्रदान करता है। कार्यक्रम में गृह विज्ञान विभाग की पांचों शाखाओं की छात्राओं द्वारा कौशल विकास से संबंधित प्रतियोगिता व सत्रीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया साथ ही छात्राओं ने गोलगप्पे, मोमोज , इडली ,भेलपुरी व लूडो गेम के स्टाल लगाए । आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार- जाह्नवी, प्रिया मौर्या

अग्रसेन कन्या पीजी कॉलेज में सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई

जागरूकता के लिए मानव श्रृंखला बनाती छात्राएं। काशीवार्ता

वाराणसी (काशीवार्ता)। श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज के परमानंदपुर परिसर में सड़क सुरक्षा के अंतर्गत मानव श्रृंखला एवं सड़क सुरक्षा शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्रवक्तागण ,एन सी सी, ... सक्रिय सहभागिता दी। नोडल सड़क सुरक्षा डॉ मृदुला व्यास द्वारा सभी को शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो मिथिलेश सिंह ने किया ।इस अवसर पर प्रो. आभा सक्सेना, प्रो अनीता सिंह, प्रो कुमुद सिंह, डॉ आकृति मिश्रा, डॉ श्रृंखला, डॉ ...

श्री अग्रसेन कन्या पी.जी कॉलेज में मनाया गया राष्ट्रीय महिला दिवस

[illegible]

दबंगई पर पुलिस ने लिया एक्शन, मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई में जुटी

[illegible]

श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज में पांच दिवसीय रेंजर्स प्रवेश व निपुण प्रशिक्षण शिविर का समापन

गांडीव, वाराणसी। श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज परमानंदपुर परिसर में 31 जनवरी को पांच दिवसीय रेंजर्स प्रवेश व निपुण प्रशिक्षण समापन कार्यक्रम का आयोजन हुआ, प्रारंभ मां सरस्वती एवं महाराज अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन से हुआ। छात्राओं ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया। मुख्य ... क्षमता का विकास कर एक जिम्मेदार नागरिक बने, देश के विकास में सहयोग करें। डॉ प्रतिभा सिंह ने कहा यह प्रशिक्षण शैक्षिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में योगदान देती है। इससे व्यक्ति अपने जीवन में अनुशासन व सामाजिकता सीख राष्ट्र विकास में योगदान कर सकते हैं। कार्यक्रम में रेंजर्स ने नृत्य, ...

श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज में गृह विज्ञान विभाग द्वारा रेजोनेंस 2025 आयोजित

गांडीव, वाराणसी। श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज परमानंदपुर परिसर में 27 मार्च को गृह विज्ञान विभाग ने रेजोनेंस 2025 का आयोजन किया, मुख्य विषय समर्थ - स्किल फॉर ग्रोथ रहा। शुभारंभ मां सरस्वती व महाराज अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन से हुआ। गृह विज्ञान विभाग द्वारा मुख्य अतिथि डॉ अंशु शुक्ला, बी.के.एम का पुष्पगुच्छ व अंगवस्त्र प्रदान कर स्वागत किया गया। डॉ अंशु शुक्ला ने कहा वर्तमान में कौशल की आवश्यकता जीवन के हर क्षेत्र में है, कौशल आप में है अपनी इच्छाशक्ति व बाजार की समझ से सफल उद्यमी बन सकते हैं। प्रो अनीता सिंह ने कहा गृह विज्ञान छात्राओं को सैद्धांतिक व व्यावहारिक ज्ञान के साथ अपने दायित्वों के दक्षता पूर्ण निर्वहन के लिए कौशल प्रदान करता है। ...

गोलगप्पे, मोमोज, इडली, भेलपुरी व लूडो गेम के स्टाल लगाए। आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जाह्नवी, प्रिया मौर्या, द्वितीय पुरस्कार शिवानी पटेल, शशी, जाह्नवी, तृतीय पुरस्कार आकांक्षा कुमारी, खुशी गुप्ता, प्रिया पांडे व सांत्वना पुरस्कार प्राची सिंह अदिति मौर्या को मिला। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ अंशु शुक्ला, डॉ अपर्णा शुक्ला, डॉ सुमन सिंह रही। कुशल संचालन डॉ अर्चना सिंह व धन्यवाद ज्ञापन प्रो. सुमन मिश्रा ने किया। इस अवसर पर प्रबंध समिति की सहायक मंत्री डॉ ... ने कार्यक्रम हेतु शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में डॉ मृदुला व्यास, डॉ आकृति मिश्रा, श्रीमती दिव्या पाल, डॉ अंजलि त्यागी, डॉ सीमा अस्थाना, डॉ भावना शर्मा, डॉ. नीलू गर्ग, डॉ. पूनम श्रीवास्तव डॉ. प्रतिभा तिवारी, डॉ. ...

श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज में पांच दिवसीय रेंजर्स प्रवेश एवं निपुण प्रशिक्षण शिविर का समापन

रिपोर्ट जमील अख्तर वाराणसी

श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज वाराणसी के परमानंदपुर परिसर में दिनांक 31/01/ 2025 को पांच दिवसीय रेंजर्स प्रवेश एवं निपुण प्रशिक्षण समापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती एवं महाराज अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ प्रतिभा सिंह जिला कमिश्नर भारत स्काउट गाइड महाविद्यालय की प्राचार्य एवं जिला आयुक्त रेंजर्स प्रो मिथिलेश सिंह ने रेंजर्स द्वारा बनाए गए टेंट का अवलोकन किया तथा छात्राओं के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर प्रो मिथिलेश सिंह ने कहा कि छात्राएं कुशल प्रशिक्षण के द्वारा अपनी बौद्धिक शारीरिक एवं सामाजिक क्षमता का विकास करते हुए एक जिम्मेदार नागरिक बने और देश के विकास में सहयोग करें। मुख्य अतिथि डॉ प्रतिभा सिंह ने कहा कि यह प्रशिक्षण केवल शैक्षिक दृष्टिकोण से ही महत्वपूर्ण नहीं बल्कि व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में भी योगदान देती है। इसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन में अनुशासन व सामाजिकता सीखकर राष्ट्र के विकास में योगदान कर सकते हैं। कार्यक्रम में रेंजर्स द्वारा नृत्य नाटक विभिन्नता में एकता प्रदर्शन एवं अन्य क्रियाकलापों को प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर रेंजर्स प्रशिक्षण का श्रीमती रामेश्वरी वर्मा श्रीमती शकीला खातून मीरा मौर्या उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ सुधा यादव एवं धन्यवाद ज्ञापन रेंजर्स प्रभारी डॉ साधना यादव द्वारा किया गया।

श्री अग्रसेन कन्या पी.जी कॉलेज में सामाजिक न्याय - समानता पर विचार गोष्ठी आयोजित

[illegible]

श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज में डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती का आयोजन

[illegible]